पटना विश्वविद्यालय
PATNA UNIVERSITY
Estd. 1917

M.A,

Semester-3

CC-12,

Unit-01

TOPIC "Impact of American civil war"

Vetted By:

प्रो. (डॉ) सुरेंद्र कुमार

विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग

पटना विश्वविद्यालय, पटना

सम्पर्क: 9835463960

डॉ राजेश कुमार

अतिथि शिक्षक, इतिहास विभाग

पटना विश्वविद्यालय, पटना

सम्पर्क 9430934482

जैसा कि हम जानते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच विभिन्न मुद्दे को लेकर मतभेद थे। जिसमें दास प्रथा का मुद्दा सबसे अहम था। दक्षिणी राज्य जहां दास प्रथा को बनाए रखने के पक्ष में थे वही उतरी राज्य इसके उन्मूलन के हिमायती थी। जब अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति बने तब वे दास प्रथा को समाप्त करने के पक्ष में थे । उनका कहना था कि संयुक्त राज्य को आधे स्वतंत्र और आधे दास राज्य में बांटा नहीं जा सकता।

उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच उत्पन्न तनाव ने अंतत: संघर्ष का रूप ले लिया जिसे गृह युद् या सिविल वार के नाम से जाना जाता है। इसकी शुरुआत 12 अप्रैल 1861 ईसवी को दक्षिणी कैरोलिना के सैनिकों ने संघ के एक शस्त्रागार पर बम बाजी करके किया। इसी बीच दक्षिणी कैरोलिना में एक सम्मेलन बुलाया गया, जिसमें संयुक्त राज्य से अलग होने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। 1861 के फरवरी तक इस नीति का पालन अन्य कई राज्यो ने किया। इस प्रकार नवंबर 1860 से मार्च 1861 तक केंद्रीय शासन सिथिल पड. गया था।

इन उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए राष्ट्रपति लिंकन ने नए सैनिकों की भर्ती का तथा संघ के सिद्धांतों की रक्षा का आदेश दिया ।संघ तथा दक्षिणी राज्यों के महासंघ के बीच 4 वर्षों तक युद्ध चलता रहा। कहा जाता है कि 19वीं शताब्दी का या सबसे भयंकर युद्ध था। युद्ध के मोर्चे मुख्यत: तीन थे- समुंद्र, मिसिसिपी घाटी और पूर्व समुद्र तट के राज्य। संघ की ओर से उतरी तथा पश्चिमी राज्यों के लगभग दो करोड़ लोग थे । दक्षिणी महासंघ की ओर से लगभग 5500000 लोग थे, पर इनके पास अधिक कुशल सेनापति दुस्साहसिक योद्धा तथा एक महान लक्ष्य के लिए संघर्ष करने का जबरदस्त मनोबल था। संघ के द्वारा दक्षिणी तट के घेराबंदी से यूरोप को रुई का निर्यात और वहां से बारूद, वस्त्र और औषधि आदि दक्षिण के लिए अत्यंत आवश्यक आयात की चीजें पूर्णत: रुक गई । अतंत: संयुक्त राज्य के दक्षिण के सबसे बड़े नगर न्यू

ऑलियांस(लुईजियाना प्रांत) ने आत्मसमर्पण कर दिया । मिसिसिपी की घाटी में भी संयुक्त राज्य की सेना की अनेक जीत हुई ।1863 ईस्वी में युद्ध का आरंभ उत्तर के लिए अच्छा नहीं हुआ पर जुलाई में युद्ध के लिए बाजी पलट गई। 1864 ईस्वी में युद्ध का अंत स्पष्ट दिखने लगा। 17 फरवरी को दक्षिण कैरोलिना को खाली कर दिया गया। चाल्सटन संयुक्त राज्य के हाथ में आ गया। दक्षिण के राजनेता Robert Edward Lee द्वारा आत्मसमर्पण किए जाने पर 13 अप्रैल को वाशिंगटन में उत्सव मनाया गया । अमेरिकी कांग्रेस ने संविधान में 13 वां संशोधन प्रस्तुत करके दांसो की स्वतंत्रता पर मुहर लगा दी।

परिसंघ की पराजय का कारण:-

गृह युद्ध में राज्य संघीयों को अंत में पराजित होना पड़ा। इसका मुख्य कारण यह था कि भौतिक साधनों की दृष्टि से उत्तर के राज्य निश्चित रूप से आगे थे। उत्तर के 22 राज्य के सामने दक्षिण के 11 राज्य प्रत्येक दृष्टिकोण से कमजोर थे। उत्तरी राज्यो मे आबादी और सेना की संख्या अधिक थी। इसके अलावा उत्तर की भौगोलिक श्रेष्टा के कारण अस्त्र-शस्त्र, गोला बारूद, कपड़े तथा अन्य सामान के निर्माण के उसे प्रचुर सुविधाएं मिली हुई थी। इसी प्रकार उत्तर के रेलों के जाल ने भी संघ के सामरिक सफलता में योगदान दिया। अब्राहम लिंकन का सफल नेतृत्व तथा दास के अपने मालिकों के प्रति आस्था में कमी भी युद्ध के निर्णायक तत्व साबित हुए।

राजनीतिक प्रभाव:-

वस्तुत: गृहयुद् के परिणाम ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्यों को संघ से अलग होने का अधिकार नहीं है। यह मान्य हुआ कि संयुक्त राज्य एक राष्ट्रीय राज्य हैं, उसके अंगीभूत राज्य उसकी संबंधित इकाइयां हैं और उनकी अपनी पृथक संप्रभुता नहीं है। संविधान में एक संशोधन करके एक नया प्रावधान जोड़ दिया गया । इसमें यह घोषणा की गई कि प्रत्येक अमेरिकी अंगीभूत राज्य का नागरिक होने के साथ-

साथ संघ राज्य का भी नागरिक है। संशोधन द्वारा अमेरिकी संविधान में यह प्रावधान भी किया गया कि कोई राज्य किसी व्यक्ति को उसके जीवन, स्वतंत्रता या संपत्ति से कानून की प्रक्रिया के बिना वंचित नहीं कर सकता । यह कानूनी प्रक्रिया राष्ट्रीय संघ सरकार ही निर्णय करेंगी । केंद्रीय सत्ता का प्रभाव सर्वप्रथम दक्षिणी राज्यों में दिखाई पड़ने लगा 1868 ईस्वी के पुनर्निर्माण अधिनियम के तहत कांग्रेस ने उत्तरी कैरोलिना, दक्षिणी कैरोलिना, लुईजियाना, जॉर्जिया, अलबामा और फ्लोरिडा को संघ में फिर से सम्मिलित कर लिया। इन सात पूर्ननिर्मित राज्यों की सरकारों के अधिकांश निर्वाचित गवर्नर, प्रतिनिधि सभा तथा सेनेटर उत्तर के ही लोग थे जो युद्ध के पश्चात अपना राजनीतिक भविष्य बनाने के लिए दक्षिण चले गए। 1877 ईस्वी में उतरी सेना दक्षिण से हटा ली गई और दक्षिण का वास्तविक पुनर्निर्माण कार्य शुरू हुआ।

आर्थिक प्रभाव:-

गृह युद्ध के पश्चात एक तरह से उत्तर से अमेरिका में आर्थिक क्रांति आ गई। शीघ्र ही कृषि और औद्योगिक विकास से अमेरिका पूंजीवाद की ओर अग्रसर हो गया। बड़े-बड़े कारखाने, इस्पात की मिलो तथा रेल लाइनों की स्थापना की गई। 1876 ईस्वी में एलेग्जेंडर ग्राहम बेल ने टेलीफोन का आविष्कार किया। अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्र तथा नगर विकास में काफी योगदान टेलीफोन का आविष्कार ने दिया। 1886 ईसवी में लाईनोटाइप कंपोजिंग मशीन तथा रोटरी प्रेस और कागज मोड़ने वाली मशीनों ने छापाखाना स्थापित करना आसान कर दिया। एडिशन के बिजली के लैंप ने लाखों घरों को प्रकाशित कर दिया।

इसके साथ साथ राष्ट्र का प्रधान उद्योग लोहा और इस्पात को संरक्षण देने के कारण इसमें काफी विकास हुआ। कार्नेगी के आविष्कारों की बदौलत लोहा का उद्योग काफी तेजी से आगे बढ़ा। इसके अलावा 1864 ईसवी की राष्ट्रीय बैंकिंग अधिनियम पारित होने के बाद देश में पहली बार राष्ट्रीय मुद्रा का प्रचलन हुआ।

कृषि के क्षेत्र में भी काफी विकास हुआ । अब नए नए उपकरणों को अपनाकर खेती की जाने लगी 1818 ईसवी के बीच गेहूं मक्का और कपास जैसे मुख्य वस्तुओं का उत्पादन संयुक्त राज्य के पहले के उत्पादन के सभी आकड़ो से अधिक हो गया था। कृषि के विकास के साथ-साथ मांस का उत्पादन में भी वृद्धि हुई। इस असाधारण सफलता का प्रमुख कारण पश्चिम की ओर प्रसार तथा खेती में मशीन का प्रयोग था।

सामाजिक प्रभाव:-

अमेरिकी गृह युद्ध के पश्चात शहरीकरण तेजी से होने लगा, जिसके परिणाम स्वरूप समाज में श्रमिक वर्ग, कर्मचारी वर्ग, एवं अन्य वर्ग तेजी से उभरने लगे ।खनिक सारे पहाड़ी क्षेत्रों में बसने लगे। विस्तृत चारागाहो का लाभ उठाकर पशुपालकों ने टेक्सास से लेकर मिसौरी नदी के ऊपरी भाग तक फैले क्षेत्र पर अपना अधिकार जमाना आरंभ कर दिया।

यह सही है कि गृह युद्ध के पश्चात दास प्रथा का उन्मूलन हो गया लेकिन इसके साथ यह भी सही है कि अमेरिका में श्वेत और नीग्रो के बीच मतभेद बढ़ा। धनवान बनने की लालच में भ्रष्टाचार बढ़ा और कुछ अंशों में समाज का नैतिक स्तर गिरा।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि अमेरिकी गृह युद्ध के पश्चात एक नई भावना का प्रसार हुआ। प्रोफेसर एल्सन ने लिखा है कि " युद्ध एक शल्य चिकित्सा थी, वह दु:खदायी होते हुए भी संयुक्त राज्य के लिए अनकहा आशीर्वाद बन गया ।इसी तरह प्रसिद्ध विद्वान चार्ल्स और बियरड ने इसे अमेरिका की दूसरी क्रांति बताया है। इस तरह अमेरिका इसके बाद शक्तिशाली देश के रूप में उभ रा